CBSE Test Paper 02

अपठित गद्यांश

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -**

भारत विशाल देश है । भौगोलिक दृष्टि से यहाँ संसार के सबसे ऊँचे पर्वत, बहुत ठंडे ग्लेशियर, जंगलों से ढके पहाड़, राजस्थान का उष्ण और लद्दाख का शीतल मरुस्थल, उपजाऊ मैदान, दक्षिणी पठार, सदानीरा नदियाँ, सुंदर-सुहावने समुद्री किनारे, चेरापूँजी जैसे अत्यधिक वर्षा वाले स्थान आदि हैं । लोगों के भिन्न-भिन्न रंग-रूप, रीति-रिवाज़ हैं । हिंदू, जैन, बौद्ध, सिख, मुसलमान और पारसी आदि विविध धर्मों को मानने वाले यहाँ मिलकर रहते हैं जो एक दुर्लभ विशेषता है । जनसंख्या की दृष्टि से संसार का दूसरा बड़ा देश भारत ही है । यह अनेकता रूपी रंगों की इंद्रधनुषी एकता के सूत्र में बँधा हुआ देश है । विश्व इसकी अनेकता में एकता देखकर चकित हो जाता है । भारत के गाँवों में कुछ लोग ऐसे भी हैं जो दरिद्र, दुर्बल और रोगी नहीं हैं, जिनको किसी प्रकार का अभाव नहीं; पर ऐसे लोग बहुत ही कम हैं । वे उँगलियों पर गिने जा सकते हैं । किंतु अधिकतर लोग ग़रीबी और अज्ञान के ऐसे शिकार हो गए हैं कि उनका जीवन पशुओं से भी गया-बीता बन गया है । ग़रीबी के कारण गंदगी उन्हें हर तरह से और हर तरफ़ से घेरे रहती है । ग़रीबी उन्हें आलसी बना देती है । कपड़ों का अभाव और जल का अभाव उन्हें गंदा रहने के लिए मज़बूर करता है । जिन गाँवों में कहीं-कहीं अच्छे कुएँ और तालाब हैं उनमें रहने वाले ग़रीब भी कपड़ों के अभाव के कारण सफ़ाई के साथ नहीं रह पाते । अनेक गाँवों में ग़रीबों को दूर-दूर के कुओं से सिर्फ पीने-भर को पानी लाना पड़ता है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के सात दशकों के बाद धीरे-धीरे उनके जीवन में परिवर्तन तो आया है। किंतु गति बहुत धीमी है । आज भी उनमें बेरोज़गारी, अशिक्षा, अंधविश्वास व्याप्त है । समुचित चिकित्सा सुविधाओं का अभाव है। उनके लिए विशेष प्रयास प्राथमिकता के स्तर पर करने होंगे।

i. भारत की भौगोलिक विशेषताएँ बताइए।
ii. दुर्लभ विशेषता किसे माना गया है और क्यों ?
iii. अनेकता में एकता से आप क्या समझते है ? कैसे कह सकते है की भारत में यह विशेषता प्राप्त होती है ?
iv. भारतीय गाँवो की दशा पर टिप्पणी कीजिए।
v. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -**

सफलता चाहने वाले मनुष्य का प्रथम कर्तव्य यह देखना है कि उसकी रुचि किन कार्यों की ओर अधिक है। यह बात गलत है कि हर कोई मनुष्य हर एक काम कर सकता है। लॉर्ड और केवल परिश्रम को ही सफलता का आधार मानते थे। इसी सिद्धान्त के अनुसार उन्होंने अपने बेटे स्टेनहाप को, जो सुस्त, ढीलाढाला, असावधान था, सत्पुरुष बनाने का प्रयास किया। वर्षों परिवेस्टरफील्ड स्वाभाविक प्रवृत्तियों के काम को अनावश्यक समझते थेश्रम करने के बाद भी लड़का ज्यों का त्यों रहा और जीवन-भर योग्य न बन सका। स्वाभाविक प्रवृत्तियों को जानना कठिन भी नहीं है, बचपन के कामों को देखकर बताया जा सकता है कि बच्चा किस प्रकार का मनुष्य होगा। प्राय: यह संभावना प्रबल होती है कि छोटी आयु में कविता करने वाला कवि, सेना बनाकर चलने वाला सेनापति, भुट्टे चुराने वाला चोर-डाकू, पुरजे कसने वाला मैकेनिक और

विज्ञान में रुचि रखने वाला वैज्ञानिक बनेगा।
जब यह विदित हो जाए कि लड़के की रुचि किस काम की ओर है तब यह करना चाहिए कि उसे उसी विषय में ऊँची शिक्षा दिलाई जाए। ऊँची शिक्षा प्राप्त करके मनुष्य अपने काम-धन्धे में कम परिश्रम से अधिक सफल हो सकता है, जिनके काम-धन्धे का पूर्ण प्रतिबिम्ब बचपन में नहीं दिखता, वे अपवाद ही हैं।
प्रत्येक मनुष्य में एक विशेष कार्य को अच्छी प्रकार करने की शक्ति होती है। वह बड़ी दृढ़ और उत्कृष्ट होती है। वह देर तक नहीं छिपती। उसी के अनुकूल व्यवसाय चुनने से ही सफलता मिलती है। जीवन में यदि आपने सही कार्यक्षेत्र चुन लिया तो समझ लीजिए कि बहुत बड़ा काम कर लिया।

i. लॉर्ड वेस्टरफील्ड का क्या सिद्धान्त था? समझाइए।
ii. इसे उसने सर्वप्रथम किस पर आजमाया? और क्या परिणाम रहा?
iii. बालक आगे चलकर कैसा मनुष्य बनेगा, इसका अनुमान कैसे लगाया जा सकता है?
iv. सही कार्यक्षेत्र चुनने के क्या लाभ हैं?
v. उपर्युक्त गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

CBSE Test Paper 02

अपठित गद्यांश

Answer

1. i. संसार के सबसे ऊँचे पर्वत, बहुत बड़े ग्लेशियर, जंगलों से ढके पहाड़, राजस्थान का उष्ण और लद्दाख का शीतल मरुस्थल, उपजाऊ | मैदान, दक्षिणी पठार, सदानीरा नदियाँ, सुंदर-सुहावने समुद्री किनारे, | चेरापूँजी जैसे वर्षा वाले स्थान भौगोलिक विविधता को दर्शाते हैं।

   ii.
   - हिंदू, जैन, बौद्ध, सिख, मुसलमान और पारसी आदि विविध धर्मों को मानने वालों का मिलकर रहना
   - ऐसी विशेषता दुनिया में और कहीं नहीं।

   iii.
   - विविध धर्म, जाति, रीति-रिवाज़ को मानने वालों का मिलकर एक साथ रहना।
   - सभी भारतवासी धर्म, जाति आदि की भिन्नता के बावजूद एकता के सूत्र में बँधे हुए हैं।

   iv. भारतीय गाँव गरीबी, अज्ञानता, आलस, बेरोजगारी, अशिक्षा, अंधविश्वास और गंदगी से ग्रस्त है।

   v. भारत की विविधता / अनेकता में एकता / भारत के गाँव आदि।

2. i. सिद्धांत - स्वाभाविक प्रवृत्तियों की अपेक्षा परिश्रम को ही सफलता का आधार मानना।

   ii.
   - अपने बेटे स्टेनहाप पर;
   - वर्षो परिश्रम के बाद भी असावधान एवं सुस्त लड़का जीवन-भर योग्य न बन पाया।

   iii. बचपन में ही उसकी रूचि एवं कार्यो को देखकर।

   iv. मनुष्य कम परिश्रम से कार्यश्रेत्र में सफलता प्राप्त कर सकता है।

   v.
   - सफलता का मूल मंत्र।
   - प्रवृति और परिश्रम।